भारत - तंजानिया संबंध

तंजानिया और भारत के बीच संबंध घनिष्ठ, मित्रतापूर्ण और सहयोगात्मक हैं। 1960 से लेकर 1980 तक राजनैतिक संबंध मुख्यत: उपनिवेशवाद विरोध, नस्लभेद विरोध, विभिन्न स्वरूपों में समाजवाद की साझा वैचारिक प्रतिबद्धता और दक्षिण-दक्षिण सहयोग की इच्छाशक्ति से प्रेरित थे। पूर्व राष्ट्रपति जुलियस नैरेरे के प्रति भारत में बहुत आदर है; उन्हें 1974 के लिए जवाहर लाल नेहरू अंतर्राष्ट्रीय सूझबूझ पुरस्कार तथा 1995 के लिए अंतर्राष्ट्रीय गांधी शांति पुरस्कार प्रदान किया गया। भारत और तंजानिया ने अंतर्राष्ट्रीय मंचों में साथ मिलकर निकटता से काम किया है। नीतियों के शीत युद्ध पश्चात पुनरसमायोजन में भारत और तंजानिया दोनों ने विदेशी संबंधों के मामले में लगभग एक ही समय पर आर्थिक सुधार के कार्यक्रम शुरू किए जिनका उद्देश्य विस्तृत अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक एवं आर्थिक भागीदारी, अंतर्राष्ट्रीय कारोबारी संबंधों का निर्माण तथा विदेशी निवेश का संवर्धन था। हाल ही के वर्षों में भारत-तंजानिया संबंध बेहतर और विविधतापूर्ण आर्थिक भागीदारी एवं विकास भागीदारी के साथ आधुनिक एवं व्यावहारिक संबंध बन गए हैं जिसमें भारत तंजानिया को अधिक क्षमता-निर्माण प्रशिक्षण अवसर, रियायती दर पर लाइन्स ऑफ क्रेडिट तथा अनुदान प्रदान करता है।

दार एस्सलाम में भारतीय उच्चायोग 19 नवंबर, 1961 को स्थापित किया गया था और जंजीबार में कांसुलेट जनरल ऑफ इंडिया 23 अक्टूबर, 1974 को स्थापित किया गया था।

तंजानिया के राष्ट्रपति का भारत का राजकीय दौरा:

तंजानिया के पूर्व राष्ट्रपति श्री जकाया म्रिशो किकवेते ने 17 से 20 जून 2015 के दौरान भारत की राजकीय यात्रा की, अफ्रीका महाद्वीप से पहले नेता की राजकीय यात्रा पर नई सरकार द्वारा अगवानी की गई। वह इससे पहले भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक (अप्रैल 2008) की सह अध्यक्षता करने और तत्कालीन विदेश मंत्री के रूप में मई 2001 में भारत का दौरा कर चुके हैं। इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति किकवेते ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बातचीत की और राष्ट्रपति एवं उप राष्ट्रपति से मुलाकात की। विदेश मंत्री, लघु, सूक्ष्म और मध्यम उद्योग मंत्री तथा तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने राष्ट्रपति किकवेते से मुलाकात की। यात्रा के दौरान अतिरिक्त समय में नई दिल्ली में भारत - तंजानिया व्यवसाय एवं निवेश मंच की पहली बैठक हुई जिसमें राष्ट्रपति ने भारत से अधिक निवेश का अनुरोध किया और निवेशकों को पूर्ण सहायता एवं सुरक्षा प्रदान करने का आश्वासन दिया। इस यात्रा के दौरान, निम्नलिखित एम ओ यू / करारों पर हस्ताक्षर किए गए :

- सरकारी सांख्यिकी में सहयोगात्मक कार्यक्रम स्थापित करने के लिए तंजानिया के पूर्वी अफ्रीका सांख्यिकी प्रशिक्षण केन्द्र (ई ए एस टी सी) और भारत की राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली प्रशिक्षण अकादमी के बीच एम ओ यू
- ई ए एस टी सी और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई सी ए आर) - भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान के बीच एम ओ यू
- पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग पर एम ओ यू
- लेक विक्टोरिया पाइप लाइन परियोजना के विस्तार के लिए 268.35 मिलियन अमरीकी डालर के लिए एल ओ सी पर एग्जिम बैंक और तंजानिया सरकार के बीच ऋण करार
- लेक विक्टोरिया पाइप लाइन परियोजना के लिए डी पी आर तैयार करने के लिए वापकोस (जल संसाधन मंत्रालय के अधीन पी एस यू) और तंजानिया सरकार के बीच करार

- भारत और तंजानिया के बीच जल विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग के लिए एम ओ यू तथा जल विज्ञानी डाटा के आदान प्रदान पर प्रोटोकाल

राष्ट्रपति नोएडा में एक ट्रैक्टर प्लांट और नई दिल्ली में एन एस आई सी के इनक्यूबेशन सेंटर को देखने गए। आतंकवाद की खिलाफत में सहयोग को सुदृढ़ करने का निर्णय लिया गया तथा भारत की ई-टूरिस्ट वीजा स्कीम तंजानिया को प्रदान की गई।

हाल ही की यात्राएं

कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संसदीय कार्य मंत्री श्री राजीव प्रताप रूड़ी ने सितंबर 2015 में तंजानिया का दौरा किया। उन्होंने तंजानिया के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री जकाया म्रिशो किकवेते से मुलाकात की तथा तीसरी भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक के लिए प्रधानमंत्री का निमंत्रण सौंपा। तंजानिया के पूर्व उप राष्ट्रपति डा. मोहम्मद घारिब बिलाल ने 27 से 29 अक्टूबर 2015 के दौरान नई दिल्ली में भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक की तीसरी बैठक में भाग लिया। अतिरिक्त समय में प्रधानमंत्री जी ने तंजानिया के उप राष्ट्रपति के साथ बैठक की।

उच्च स्तरीय यात्राएं

दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय दौरों की परंपरा रही है। नैरेरे पश्चात अवधि में भारत की ओर से उच्च स्तरीय यात्राओं में निम्नलिखित शामिल हैं : मई 2011 में पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह की यात्रा, सितंबर 2004 में पूर्व राष्ट्रपति श्री ए पी जे अब्दुल कलाम की यात्रा और सितंबर 1997 में पूर्व प्रधानमंत्री श्री आई के गुजराल की यात्रा। पूर्व लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार ने सितंबर / अक्टूबर 2009 में तंजानिया का दौरा किया और पूर्व विदेश मंत्री श्री यशवंत सिन्हा ने अप्रैल 2003 में तंजानिया का दौरा किया। मंत्री स्तरीय अन्य यात्राओं में निम्नलिखित शामिल हैं : सितंबर 2013 में वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की यात्रा, जुलाई 2003 और अगस्त 2013 में विदेश राज्य मंत्री की यात्रा, अप्रैल 2013 में इस्पात मंत्री की यात्रा, दिसंबर 2011 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्री की यात्रा, और जनवरी 2010 में प्रवासी भारतीय मामले मंत्री की यात्रा।

तंजानिया की ओर से उच्च स्तरीय यात्राओं में निम्नलिखित शामिल हैं : जून 2015 और अप्रैल 2008 में राष्ट्रपति जकाया म्रिशो किकवेते की यात्रा, फरवरी 2014 में जंजीबार के राष्ट्रपति डा. अली मोहम्मद शीन की यात्रा, सितंबर 2009 में प्रधानमंत्री मिजेंगो पिंडा की यात्रा, मार्च 2008 में उप राष्ट्रपति अली मोहम्मद शीन की यात्रा, मार्च 2004 में जंजीबार के राष्ट्रपति री अमानी अबीद कारुमे की यात्रा और दिसंबर 2002 में राष्ट्रपति बेंजामिन मकापा की यात्रा। मंत्री स्तरीय यात्राओं में निम्नलिखित शामिल हैं : नवंबर 2014 में व्यापार एवं उद्योग मंत्री की यात्रा, जुलाई 2014 में जल मंत्री की यात्रा, जनवरी 2014 में ऊर्जा एवं खनिज संसाधन मंत्री की यात्रा, मई 2013 में जंजीबार के श्रम, आर्थिक सशक्तीकरण एवं सहकारिता मंत्री की यात्रा, मार्च 2013 में संचार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री की यात्रा, मार्च 2013 में स्वास्थ्य एवं समाज कल्याण मंत्री की यात्रा, मार्च 2013 में कृषि, खाद्य सुरक्षा एवं सहकारिता उप मंत्री की यात्रा, जनवरी 2013 में उद्योग एवं व्यापार मंत्री की यात्रा, अक्टूबर / नवंबर 2012 में व्यापार एवं उद्योग मंत्री की यात्रा, अक्टूबर 2012 में नेशनल असेंबली के स्पीकर की यात्रा, मार्च / अप्रैल 2012 में रक्षा एवं राष्ट्रीय सेवा मंत्री की यात्रा, मार्च 2012 में वित्त मंत्री की यात्रा, नवंबर 2011 में पूर्वी अफ्रीकी सहयोग मंत्री की यात्रा, अक्टूबर 2011 में संचार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री की यात्रा, मार्च 2011 में वित्त एवं आर्थिक कार्य मंत्री की यात्रा, मार्च

2011 में निवेश एवं सशक्तीकरण मंत्री की यात्रा, दिसंबर 2009 में ऊर्जा एवं खनिज संसाधन मंत्री की यात्रा, जनवरी 2009 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री की यात्रा, मई 2007 में उद्योग एवं व्यापार मंत्री की यात्रा और जनवरी 2007 में सूचना एवं संस्कृति मंत्री की यात्रा। तंजानिया के उप राष्ट्रपति डा. मोहम्मद घारिब बिलाल ने 28 से 29 अक्टूबर 2015 के दौरान नई दिल्ली में भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक की तीसरी बैठक में भाग लिया। उन्होंने 29 अक्टूबर 2015 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की तथा 28 अक्टूबर 2015 को बैठक के लिए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र प्रशांत से मुलाकात की। शिखर बैठक में एक संयुक्त घोषणा तथा भारत और अफ्रीका के बीच सहयोग रूपरेखा अपनाई गई। इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय बैठकों / सम्मेलनों के सिलसिले में, चिकित्सा उपचार के लिए तथा निजी कारणों से भी तंजानिया की अनेक गणमान्य हस्तियों ने भारत का दौरा किया है।

द्विपक्षीय संधियां एवं करार :

जून 2015 में राष्ट्रपति किकवेते की राजकीय यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित एम ओ यू / करारों के अलावा भारत और तंजानिया ने अनेक द्विपक्षीय संधियों / एम ओ यू / करारों पर हस्ताक्षर किए हैं। इनके नाम इस प्रकार हैं :

- मित्रता तथा तकनीकी, आर्थिक एवं वैज्ञानिक सहयोग संबंधी करार (1966)
- व्यापार करार (1972)
- डाक एवं संचार के क्षेत्र में तकनीकी सहयोग के लिए एम ओ यू (1996)
- संयुक्त व्यावसायिक परिषद की स्थापना संबंधी करार (1997)
- एक संयुक्त व्यापार समिति की स्थापना के लिए करार (2000)
- कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में सहयोग के लिए एम ओ यू (2002)
- स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र में करार (2002)
- शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग पर विनिमय कार्यक्रम के लिए एम ओ यू (2003)
- रक्षा सहयोग के लिए एम ओ यू (2003)
- तंजानिया के बकाया ऋणों को माफ करने पर करार (2004)
- सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग पर करार (2004)
- पी टी ए / एफ टी ए पर मंशा पत्र (2008)
- राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा निधि, तंजानिया, स्वास्थ्य मंत्रालय और सोशल वेलफेयर एण्ड अपोलो हास्पिटल्स लिमिटेड के बीच संयुक्त उद्यम पर एम ओ यू (2011)
- दोहरे कराधान एवं राजकोषीय वंचन को रोकने संबंधी करार (2011) पिछले डी टी ए ए पर हस्ताक्षर 1979 में किए गए थे।
- नेशनल स्माल इंडस्ट्री कारपोरेशन लिमिटेड और लघु उद्योग विकास संगठन के बीच संयुक्त कार्य योजना (2011)
- इस्पात मंत्रालय तथा ऊर्जा एवं खनिज संसाधन मंत्रालय के बीच मंशा पत्र (2013)

वाणिज्यिक एवं आर्थिक संबंध

भारत और तंजानिया के बीच आज भी जीवंत कारोबारी एवं वाणिज्यिक संबंध बना हुआ है। भारत तंजानिया का एक प्रमुख व्यापार साझेदार है। तंजानिया में प्रचालन करने वाली प्रमुख भारतीय कंपनियों एवं ब्रांडों में निम्नलिखित शामिल हैं : बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ इंडिया, टाटा इंटरनेशनल लिमिटेड, एन एम डी सी,

बीमा कंपनियां (एल आई सी, एन आई सी, यूनाइटेड इंडिया आदि), रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, कमल ग्रुप आफ इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, एस्कोर्ट, अशोक लेलैंड, आइसर, बजाज, टी वी एस, किर्लोस्कर और गोदरेज। तंजानिया द्वारा आयातित लगभग 36 प्रतिशत दवाओं एवं फार्मा उत्पादों का स्रोत भारत है। यहां सभी बड़ी भारतीय औषधि कंपनियों के वितरक और प्रतिनिधि हैं।

नीचे दिए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत तंजानिया के सबसे बड़े व्यापारिक भागीदारों में से एक है।

भारत - तंजानिया व्यापार (मिलियन अमरीकी डालर में)

वर्ष	2010	2011	2012	2013	2014	जनवरी – नवम्बर, 2015
भारत का निर्यात	895.01	1564.95	880.63	2308.71	2467.14	1320.53
तंजनिया का निर्यात	226.19	207.99	480.10	752.17	1293	995.48
कुल	1121.2	1772.94	1360.73	3060.88	3760.14	2316.01

(स्रोत : तंजानिया राजस्व प्राधिकरण]

वाणिज्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार 2014-15 के दौरान तंजानिया के साथ कुल द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 3573.63 मिलियन अमरीकी डालर था जिसमें तंजानिया को निर्यात का मूल्य 2484.60 मिलियन अमरीकी डालर और तंजानिया से आयात का मूल्य 1089.03 मिलियन अमरीकी डालर था। 2009 में तंजानिया से भारत को निर्यात का जो वार्षिक मूल्य 187 मिलियन अमरीकी डालर पर स्थिर हो गया था वह टी आर ए डाटा के अनुसार 2014 में छलांग लगाकर 1293 मिलियन अमरीकी डालर से अधिक हो गया।

भारत से तंजानिया जिन वस्तुओं का आयात करता है उनमें मुख्य रूप से निम्नलिखित शामिल हैं : पेट्रोलियम उत्पाद, दवाएं तथा फार्मास्युटिकल मदें, मोटर वाहन, दोपहिए एवं तिपहिए वाहन, वायर एवं केबल, चीनी, विद्युत मशीनरी / उपकरण, धागे, परिधान एवं वस्त्र, लोहा एवं इस्पात की वस्तुएं, सिंथेटिक पॉलिमर सहित प्लास्टिक के उत्पाद, जैविक / अजैविक / कृषि रसायन, टायर सहित रबर की वस्तुएं, काटन फैब्रिक आदि। तंजानिया की ओर से भारत को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से निम्नलिखित शामिल हैं : सोना, काजू, दालें, टिंबर, मसाले (मुख्य रूप से लौंग), अयस्क एवं मेटल स्क्रैप, बहुमूल्य पत्थर, टैनिंग / डाइंग तथा कलरिंग की सामग्रियां, अलौह धातुएं, आवश्यक तेल, लेदर, सिल्वर आदि।

2000.04 मिलियन अमरीकी डालर (1990-2014) के संचयी निवेश के साथ तंजानिया के साथ भारत की आर्थिक भागीदारी में भी वृद्धि हुई है, जो तंजानिया के आधिकारिक स्रोतों के अनुसार 426 परियोजनाओं में 54176 व्यक्तियों से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर रहा है। यू के और चीन के बाद भारत तीसरे स्थान पर है। इसके अलावा भारतीय फर्मों ने पूरे देश में ई पी जेड में 497 मिलियन डालर से अधिक का निवेश किया है जिससे कुल निवेश 2497 मिलियन डालर के आसपास पहुंच गया है। डी आई पी पी के अनुसार भारत में तंजानिया का निवेश 1 मिलियन अमरीकी डालर से थोड़ा अधिक है। तथापि हाल ही में तंजानिया की एक कंपनी ने गुजरात एवं कोलकाता में स्थापित दलहन प्रसंस्करण संयंत्रों में 200 मिलियन अमरीकी डालर का निवेश करने का दावा किया है।

विकास साझेदारी प्रशासन

जून 2015 में तंजानिया के राष्ट्रपति की राजकीय यात्रा के दौरान तबोरा, इगुंगा और नजेगा तक लेक विक्टोरिया पाइप लाइन परियोजना के विस्तार के लिए 268.35 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता पर एग्जिम बैंक और तंजानिया के बीच ऋण करार पर हस्ताक्षर किए गए। अरुषा में एक आई संसाधन केन्द्र, एस आई डी ओ में इंक्यूबेशन सेंटर स्थापित करने के लिए एक एन आई एस सी परियोजना और जंजीबार में व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र (वी टी सी) का वित्त पोषण भारत सरकार के अनुदानों के तहत किया जा रहा है। दारुस्सलम तथा चालिंजे के तटीय इलाके में जलापूर्ति परियोजनाओं के विकास के लिए 178.125 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता इस समय कार्यान्वयन के अधीन है। तंजानिया के लोक रक्षा बल (टी पी डी एफ) को अशोक लेलैंड के ट्रकों तथा अन्य वाहनों की आपूर्ति के लिए 36.56 मिलियन अमरीकी डालर की एक अन्य ऋण सहायता 2013-14 में पूरी हो गई। ट्रैक्टर तथा कृषि उपकरणों की आपूर्ति के लिए जून 2009 में हस्ताक्षरित 40 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता 2013 में पूरी हो गई। भारत द्वारा वित्त पोषित दो आई टी / संचार परियोजनाएं स्थापित की गई हैं : सी-डैक द्वारा आईसीटी में उत्कृष्ट केंद्र; और टीसीआईएल द्वारा पैन अफ्रीकन ई-नेटवर्क परियोजना।

तंजानिया आई टी ई सी / एस सी ए ए पी कार्यक्रमों के तहत आवंटित प्रशिक्षण स्लाटों के सबसे बड़े लाभार्थियों में से एक है तथा यह आई ए एफ एस के तहत भी ऐसे अनेक प्रशिक्षण स्लाटों का लाभ उठाता है। दोनों देशों ने 1966 में मैत्री तथा तकनीकी, आर्थिक एवं वैज्ञानिक सहयोग के लिए एक करार पर हस्ताक्षर किए थे जिसकी रूपरेखा के अंदर 1972 से तंजानिया को आई टी ई सी सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इसकी शुरुआत हर साल 24 प्रशिक्षणार्थियों से हुई थी, जो धीरे धीरे बढ़कर 2014-15 में 330 स्लाट पर पहुंच गई है। वर्ष 2014-15 में 285 स्लाट सिविलियन अधिकारियों के लिए और 39 स्लाट रक्षा अधिकारियों के लिए प्रयुक्त किए गए।

तंजानिया भारतीय छात्रवृत्तियों एवं अन्य शैक्षिक सहायता, जिसमें भारत के उच्च अध्ययन संस्थानों में छात्रों को स्व-वित्तपोषण शामिल है, का एक प्रमुख लाभार्थी है। राष्ट्रमंडल छात्रवृत्ति / अध्येयतावृत्ति योजना तथा सामान्य सांस्कृतिक छात्रवृत्ति स्कीम के तहत आई सी सी आर द्वारा शैक्षिक वर्ष 2014-15 के लिए 24 छात्रवृत्तियों की पेशकश की गई है। अनुमान है कि तंजानिया के लगभग 2000 छात्र भारत में पढ़ाई कर रहे हैं जिनमें से अधिकांश स्व वित्त पोषण आधार पर हैं।

संस्कृति

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई सी सी आर) द्वारा प्रायोजित एक भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (आई सी सी) दिसंबर 2010 में स्थापित किया गया था। इस समय आई सी सी भारत आधारित शिक्षकों द्वारा योग कक्षाओं तथा तबला एवं अन्य वाद्य यंत्र प्रशिक्षण की पेशकश कर रहा है। एक स्थानीय स्वयं सेवक द्वारा मुफ्त में हिंदी कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र भारत और तंजानिया के बीच सांस्कृतिक संबंध बढ़ाने के लिए स्थानीय कलाकारों, सांस्कृतिक संस्थाओं एवं प्रकाशन बिरादरी के साथ मिलकर अपने कार्यक्रमों एवं साझेदारी में स्थानीय अंतर्वस्तु बढ़ा रहा है।

पिछले दो वर्षों में भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र में / भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित प्रमुख कार्यक्रमों में निम्नलिखित के परफार्मेंस शामिल हैं :
सितंबर 2015 में आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित लवानी ग्रुप, सितंबर 2015 में हिंदी दिवस समारोह, जुलाई 2015 में आई सी सी द्वारा प्रायोजित गोआन कल्चरल ग्रुप द्वारा परफार्मेंस, जून 2015 में अनूप जलोटा के साथ एक शाम, मई 2015 में सुश्री प्रतीक्षा काशी के नेतृत्व में कुचीपुडी ग्रुप द्वारा परफार्मेंस, अक्टूबर 2014 में मुराद

अली खान के नेतृत्व में फ्यूजन म्यूजिक बैंड, अगस्त 2014 में एक ओडिशी एक्सपोनेंट, नवंबर 2013 में विद्या शाह द्वा◌ारा कंसर्ट, सितंबर 2013 में दिल्ली आधारित कंटेम्पोरेरी इंडियन डांस कंपनी द्वारा परफार्मेंस जो सी आई आई द्वारा प्रायोजित था, और जनवरी 2013 में एक कथक नृत्य मंडली।

21 जून 2015 को तंजानिया में दारुस्सलम, जंजीबार, अरुषा, मवांजा, तबोरा और मोरोगोरो में पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आई डी वाई) मनाया गया। कोको बीच, दारुस्सलम में एक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 2000 लोगों ने भाग लिया तथा आई सी सी में योग पर एक प्रदर्शनी लगाई गई। इससे पहले मई 2015 में दारुस्सलम स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय में कल्पना पर एक पेंटिंग प्रदर्शनी लगाई गई जो फिगरेटिव कंटेम्पोरेरी इंडियन पेंटिंग का मास्टर पीस है। अक्टूबर 2014 में भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र में पश्चिमी भारत (गुजरात, गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान) पर एक शोकेस का भी आयोजन किया गया। केन्द्र में दारुस्सलम विश्वविद्यालय के कला एवं संगीत विभाग के सहयोग से स्थानीय अंतर्वस्तु के साथ अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं : भारत - अफ्रीकी फ्यूजन म्यूजिक, रंगोली प्रदर्शनी, फोटोग्राफिक प्रदर्शनी, फैशन शो, हिंदी कामेडी शो, स्वामी विवेकानंद पर एक स्किट परफार्म करने वाले भारत से एक मोनो आर्टिस्ट, स्थानीय कलाकारों की पेंटिंग एवं मूर्ति कलाओं की प्रदर्शनी, फिल्म स्क्रीनिंग, आइकानिक भारतीय सेलेब्रिटीज के लिए सार्वजनिक स्वागत समारोह जिसमें ग्रांड मास्टर विश्वनाथन आनंद आदि शामिल हैं।

तंजानिया में लगभग 20 सक्रिय भारतीय / एशियाई समुदाय ग्रुप हैं, जिनमें से अधिकांश दारुस्सलम में आधारित हैं। ये ग्रुप नियमित रूप से ज्यादातर स्थानीय भागीदारी के साथ और कभी कभार भारत से प्रायोजित परफार्मिंग आर्टिस्ट के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। खेल के क्षेत्र में भारत और तंजानिया के बीच आदान प्रदान नगण्य है, क्रिकेट के क्षेत्र में भी कुछ ऐसी ही स्थिति है, जिसके विशेष रूप से स्थानीय भारतीय / एशियाई समुदाय में कुछ प्रशंसक हैं।

भारतीय समुदाय

तंजानिया में भारतीय मूल के लगभग 50 हजार लोग हैं (जिन्हें एशियाई कहा जाता है)। वे दारुस्सलम, अरुषा, दडोमा, मोरोगोरो, जंजीबार, मवांजा और मबेया के प्रमुख शहरी केन्द्रों में संकेन्द्रित हैं। अधिकांश लोग गुजरात, मुख्य रूप से कच्छ और काठियावाड़ क्षेत्रों से हैं। उनके पूर्वज इस क्षेत्र (जंजीबार और तंगानायिका) में सौदागर, नाविक और श्रमिक के रूप में 19वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध से आए थे, जिनको रेल रोड निर्माण में लगाया गया। भारतीय समुदाय व्यापार एवं उद्योग में लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारतीय समुदाय का आकार धीरे धीरे घट रहा है (1960 के दशक के पूर्वार्ध में इनकी संख्या सर्वाधिक अर्थात 1,00000 के आसपास थी)। तंजानिया में भारतीय नागरिकों (प्रवासियों) की संख्या 10,000 के आसपास है जिनमें से अधिकांश प्रोफेशनल हैं तथा मुख्य रूप से उद्योग एवं सेवाओं में काम करते हैं। वे पूरे भारत से एक विस्तृत मिश्रण का प्रतिनिधित्व करते हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, दारुस्सलम की वेबसाइट:
http://www.hcindiatz.org/
भारतीय उच्चायोग, दारुस्सलम का फेसबुक पृष्ठ:
https://www.facebook.com/hcindiatz
इंडिया ग्लोबल- भारत और तंजानिया के रिश्तों को प्रदर्शित करता एआईआर एफएम गोल्ड का कार्यक्रम:

http://www.youtube.com/watch?v=8vDP8MLTF3o

*****

जनवरी, 2016